न्यूज़ टुडे

प्रधान मंत्री ने बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 'जनजाति गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

- उल्लेखनीय है कि सरकार ने **2021 में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस** घोषित किया था।

बिरसा मुंडा के बारे में:

- **प्रारंभिक जीवन:**
  - उनका जन्म 1875 में वर्तमान झारखंड के **खूंटी जिले** के **उलिहातू गांव** में हुआ था। उनके बचपन का नाम **दाउद मुंडा** था।
  - वे **छोटानागपुर पठार क्षेत्र** की **मुंडा जनजाति** से संबंधित थे। यह क्षेत्र वर्तमान में झारखंड में है।
- **उनकी शिक्षाएं और विश्वास:**
  - **एकेश्वरवाद:** उन्होंने **बिरसाइत (Birsait)** नामक एक **नए पंथ की स्थापना** की थी। यह संप्रदाय **एक ईश्वर** में विश्वास करता था और आदिवासी समाज में सुधार के लिए **आचार संहिता** का पालन करने पर जोर देता था।
  - **जनजातीय आस्था का पुनरुद्धार:** उन्होंने ईसाई मिशनरियों के प्रभाव को अस्वीकार कर दिया और पारंपरिक मुंडा धार्मिक प्रथाओं में सुधार करने का प्रयास किया।
  - **नैतिक अनुशासन:** उन्होंने **स्वच्छता, कठोर परिश्रम, शराब से दूर रहने तथा व्यक्तिगत व सामाजिक जीवन में पवित्रता** पर जोर दिया।
- **औपनिवेशिक प्रतिरोध में योगदान:**
  - **उन्होंने मुंडा विद्रोह का नेतृत्व किया।** इस विद्रोह को **"उलगुलान (महान विप्लव)"** भी कहा जाता है।
  - मुंडा जनजाति में बिरसा के योगदान के कारण उन्हें **भगवान** का दर्जा दिया गया है। उन्हें **धरती आबा (पृथ्वी का पिता)** के रूप में पूजा जाता है।
- **मृत्यु और विरासत:**
  - **9 जून, 1900** को एक बीमारी के कारण उनकी मृत्यु **रांची जेल** में हुई थी।
  - उनके आंदोलन ने **बेगार प्रथा** को समाप्त करने में योगदान दिया था। इसके परिणामस्वरूप, **काश्तकारी अधिनियम (1903)** पारित किया गया, जिसके तहत **खुंटकट्टी प्रणाली** को मान्यता प्रदान की गई।
  - **छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (1908):** इसके तहत आदिवासी भूमि को गैर-आदिवासियों को हस्तांतरित करने पर रोक लगा दी गई।

मुंडा विद्रोह के बारे में

- बिरसा मुंडा ने 1895 में **छोटानागपुर, बंगाल और ओडिशा** के आदिवासियों को एकजुट करके इस आंदोलन की शुरुआत की थी। इस आंदोलन का लक्ष्य **दिकू लोगों** (बाहरी लोगों) और **यूरोपीय लोगों** को अपने क्षेत्र से निकाल कर **स्वतंत्र मुंडा राज्य की स्थापना** करना था।
- **विद्रोह के लिए जिम्मेदार महत्वपूर्ण कारण:**
  - **जमींदारी व्यवस्था की शुरुआत:** औपनिवेशिक ब्रिटिश सरकार ने मुंडा समुदाय की **मुंडारी खुंटकट्टी यानी सामुदायिक भू-स्वामित्व** जैसी पारंपरिक प्रथाओं को समाप्त कर दिया।
    - ब्रिटिश सरकार की नीतियों के चलते आदिवासी समुदायों में **वेथ बेगारी (जबरन मजदूरी)** और **बंधुआ मजदूर (बंधुआ मजदूरी)** जैसी कुरीतियां पैदा हो गईं।
  - **दिकुओं (बाहरी लोग, जैसे- साहूकार, व्यापारी, मिशनरी आदि) द्वारा शोषण।**
  - **मिशनरियों द्वारा उनकी पारंपरिक संस्कृति की आलोचना आदि।**

स्वास्थ्य और जलवायु अनुकूलन के लिए बेलेम कार्य योजना

'स्वास्थ्य और जलवायु अनुकूलन के लिए बेलेम कार्य-योजना' ब्राजील के बेलेम में आयोजित UNFCCC-COP30 में जारी की गई। यह विशेष रूप से **स्वास्थ्य पर केंद्रित पहली अंतरराष्ट्रीय जलवायु अनुकूलन पहल** है।

स्वास्थ्य पर बेलेम कार्य-योजना के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- **उद्देश्य:** जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बेहतर तरीके से निपटने के लिए **विश्व में स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत** करना।
- यह कार्य-योजना **दो प्रमुख सिद्धांतों और अवधारणाओं पर आधारित है-**
  - **'स्वास्थ्य-देखभाल सुविधाओं की उपलब्धता में समानता'** और **'जलवायु न्याय'**, तथा
  - **जलवायु और स्वास्थ्य पर नेतृत्व और शासन,** जिसमें **सामाजिक भागीदारी** भी शामिल है।
- इसमें **जलवायु संकट-रोधी स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए तीन कार्य-क्षेत्रों** का उल्लेख है:
  - **पर्यवेक्षण और निगरानी:** जलवायु डेटा और विश्लेषण पर आधारित **पूर्व-चेतावनी प्रणालियां** और एकीकृत डेटा प्लेटफ़ॉर्म।
  - **साक्ष्य-आधारित नीति और क्षमता निर्माण:** इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:
    - स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े कार्यबल का कौशल विकास,
    - महिला व पुरुष की विशेष आवश्यकताओं का ध्यान रखने वाली और समानता सुनिश्चित करने वाली स्वास्थ्य नीतियां,
    - मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक सहायता का एकीकरण, आदि।
  - **नवाचार और उत्पादन:** इसमें आपदा-रोधी अवसंरचना, **न्यायसंगत परिवर्तन (जस्ट ट्रांजीशन),** सतत आपूर्ति श्रृंखलाएं, तथा निवेश पर लाभ जैसी रूपरेखाओं पर ध्यान देना शामिल हैं।
- **वित्तपोषण: क्लाइमेट एंड हेल्थ फंडर्स कोएलिशन** के तहत लगभग 35 **परोपकारी संस्थाओं ने कार्य-योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रारंभ में 300 मिलियन डॉलर** देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

जलवायु अनुकूल स्वास्थ्य देखभाल कार्य-योजना की आवश्यकता क्यों है?

- जलवायु परिवर्तन की वजह से पहले ही विश्व में **स्वास्थ्य विपदाएं** देखी जा रही हैं। एक अनुमान के अनुसार **अत्यधिक गर्मी की वजह से हर वर्ष 5.4 लाख से अधिक लोग मर रहे हैं।**
- विश्व भर में **हर 12 में 1 अस्पताल** जलवायु आपदाओं की वजह से बंद होने के खतरे का सामना कर रहा है।
- **3.3 से 3.6 अरब लोग पहले से ही जलवायु परिवर्तन के खतरे वाले क्षेत्रों में** रह रहे हैं।
- **अस्पतालों को चरम मौसम जनित घटनाओं से 41% अधिक नुकसान** का खतरा है।

केंद्र ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (DPDP) नियम, 2025 अधिसूचित किए

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने **DPDP नियम, 2025** (इन्फोग्राफिक देखें) अधिसूचित किए हैं। इससे **DPDP अधिनियम, 2023 पूर्ण रूप से प्रवर्तित** हो जाएगा।

- ये नियम उच्चतम न्यायालय के **2017 के.एस. पुट्टास्वामी बनाम भारत संघ** वाद निर्णय के अनुपालन में एक महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि इसी वाद में **उच्चतम न्यायालय ने निजता के अधिकार को मूल अधिकार के रूप में मान्यता** दी थी।

DPDP अधिनियम, 2023 के बारे में

- यह **डिजिटल व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा** के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करता है। इसमें ऐसे डेटा का प्रबंधन करने वाली संस्थाओं (**डेटा फिड्यूशरी**) के दायित्वों और व्यक्तियों (**डेटा प्रिंसिपल्स या स्वामी**) के अधिकारों एवं कर्तव्यों को निर्धारित किया गया है।
- **दायरा:**
  - यह अधिनियम **डिजिटल व्यक्तिगत डेटा की प्रोसेसिंग को विनियमित** करता है, भले ही वह डेटा **भारत में कहीं भी एकत्र** किया गया हो। वह डेटा **डिजिटल** रूप में हो सकता है; **गैर-डिजिटल** रूप में हो सकता है या **बाद में डिजिटाइज़्ड** किया गया हो सकता है।
  - **भारत के बाहर व्यक्तिगत डेटा की प्रोसेसिंग को भी विनियमित** करता है, यदि वह डेटा **भारत में वस्तुओं या सेवाओं की पेशकश** से संबंधित है।
- **डेटा फिड्यूशरी या वैश्वासिक (Data Fiduciaries) के दायित्व:**
  - **उपयोगकर्ता सहमति:** व्यक्तिगत डेटा को संबंधित **व्यक्ति की सहमति प्राप्त करने के बाद** ही प्रोसेस किया जा सकता है।
  - **बच्चों/ दिव्यांग व्यक्तियों के व्यक्तिगत डेटा की प्रोसेसिंग:** इसमें माता-पिता या कानूनी अभिभावक की **सत्यापन योग्य सहमति अनिवार्य** है।
- **प्रवर्तन: डेटा संरक्षण बोर्ड (DPB)** को व्यक्तिगत डेटा उल्लंघन की शिकायतों की जांच के लिए **दीवानी अदालत की शक्तियां** प्राप्त होंगी।

कार्यस्थल पर तनाव भारत के कामकाजी उम्र के वयस्कों में मधुमेह के बढ़ते खतरे का एक प्रमुख कारण हैं

ICMR-INDIAB, 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार **भारत में 10.1 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित** हैं। **युवा, शहरी, कामकाजी उम्र के वयस्कों में इसका प्रसार** बढ़ रहा है और इसका एक कारण कार्यस्थल पर तनाव है।

कार्यस्थल पर तनाव और मधुमेह होने के बीच संबंध

- **लगातार तनाव:** यह तनाव शरीर को अत्यधिक सतर्कता की स्थिति में रखता है जिससे **कॉर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है।**
  - हार्मोन स्तर बढ़ने से **सामान्य ग्लूकोज चयापचय (Metabolism)** प्रभावित होता है और इससे शरीर में विशेषकर पेट के आसपास **वसा संचय (सेंट्रल वेट गेन) बढ़ने लगता** है।
- **आवागमन में अधिक समय व्यतीत होना:** इससे व्यायाम और आराम के लिए समय कम मिलता है।
- **नियत समय पर भोजन नहीं करना और लंबे समय तक बैठकर कार्य करना:** ये आदतें पाचन तंत्र क्रिया और कैलोरी उपयोग को सीधे प्रभावित करती हैं।
- **शिफ्ट वर्क (विशेषकर रात्रि पाली में कार्य करना):** अनियमित नींद और भोजन के कारण **इंसुलिन सेंसिटिविटी** घटती है, जिससे रक्त शर्करा स्तर अस्थिर हो जाता है।
  - **इंसुलिन सेंसिटिविटी** का अर्थ है कि हमारा शरीर इंसुलिन के प्रति कितनी प्रभावी प्रतिक्रिया देता है और रक्त शर्करा को ऊर्जा के रूप में कितनी अच्छी तरह उपयोग करता है।

मधुमेह के बारे में

- मधुमेह एक **चिरकालिक (क्रोनिक) गैर-संचारी रोग** है। यह तब होता है जब—
  - अग्न्याशय (Pancreas) पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन नहीं बनाता, या
  - शरीर उत्पन्न इंसुलिन का प्रभावी रूप से उपयोग नहीं कर पाता।
    - **इंसुलिन एक हार्मोन है जो रक्त में ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित** करता है।

मधुमेह के प्रमुख प्रकार

- **टाइप 1 मधुमेह:** यह स्व-प्रतिरक्षी (Autoimmune) रोग है जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अग्न्याशय में इंसुलिन बनाने वाली बीटा कोशिकाओं को नष्ट कर देती है, जिससे इंसुलिन की कमी हो जाती है।
- **टाइप 2 मधुमेह:** इसमें शरीर की कोशिकाएं **इंसुलिन-प्रतिरोधी** हो जाती हैं; अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता जिससे रक्त-शर्करा स्तर बढ़ जाता है।
- **गर्भावधि मधुमेह (Gestational Diabetes):** यह रोग गर्भावस्था के दौरान रक्त में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाने के कारण होता है।

मधुमेह के प्रसार को कम करने के लिए सरकारी पहलें

- FSSAI के '**ईट राइट इंडिया अभियान**' के तहत स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों के सेवन को बढ़ावा दिया जा रहा है।
  - **फिट इंडिया अभियान:** इसे **2019 में शुरू** किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य **शारीरिक सक्रियता वाली जीवनशैली** को बढ़ावा देना और **फिटनेस को भारत में दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा** बनाना है।
  - "**राष्ट्रीय गैर संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (NP-NCD)**" शुरू किया गया।
- **आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY):** इस योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में द्वितीयक और तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य देखभाल सेवा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

अन्य सुर्खियां

गवर्नमेंट शटडाउन

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इतिहास में अमेरिकी सरकार के सबसे लंबे **शटडाउन** को समाप्त करने के लिए एक **स्टॉपगैप विधेयक** पर हस्ताक्षर किए।

गवर्नमेंट शटडाउन के बारे में

- **अर्थ:** यह तब होता है, जब शासन का विधायी अंग कार्यकारी अंग के संचालन को वित्त-पोषित और अधिकृत करने के लिए **आवश्यक बजटीय या विनियोग विधेयकों (appropriations bills) को पारित नहीं** कर पाता है।
- **शटडाउन के प्रभाव:** इसके परिणामस्वरूप, सरकार के कुछ या सभी कार्य बंद हो जाते हैं।
- यह आम तौर पर शासन की **राष्ट्रपति प्रणाली** की एक विशेषता है। इस प्रणाली में **कार्यपालिका और विधायिका के बीच शक्तियों का सख्त पृथक्करण** होता है। **संयुक्त राज्य अमेरिका** में शासन की राष्ट्रपति प्रणाली अपनाई गई है।
- **भारत जैसी संसदीय प्रणालियों** में शटडाउन **नहीं** होते हैं। ऐसा इस कारण, क्योंकि यहां कार्यपालिका विधायिका से ही बनी होती है और उसका विश्वास प्राप्त करने पर ही निर्भर होती है।

तुर्काना झील

हालिया अध्ययनों से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन के कारण **तुर्काना झील के जलस्तर में गिरावट** से इस क्षेत्र में भूकंप की गतिविधि बढ़ गई है।

- जब किसी झील का जलस्तर गिरता है, तो कम हुए जल भार के कारण **भू-पर्पटी पर दबाव कम** हो जाता है। इससे **भ्रंशों (faults)** में हलचल की संभावना बढ़ जाती है और भूकंप आने की आशंका में वृद्धि होने लगती है।

झील तुर्काना के बारे में

- यह **विश्व की सबसे बड़ी मरुस्थलीय झील** है और **सबसे बड़ी क्षारीय झील** भी है।
- **स्थान:** यह मुख्य रूप से **केन्या** में स्थित है, लेकिन इसका उत्तरी हिस्सा **इथियोपिया** तक फैला हुआ है।
- इसमें आने वाला 90% से अधिक जल **ओमो नदी** से आता है। यह नदी **इथियोपिया** में प्रवाहित होती है।
- **तुर्काना झील राष्ट्रीय उद्यान** स्थल को **1997 में विश्व धरोहर सूची** में शामिल किया गया था।

थोक मूल्य सूचकांक और अपस्फीति

थोक कीमतों में गिरावट के कारण थोक मूल्य **27 महीने के निचले स्तर** पर आ गए और अक्टूबर माह में वापस **अपस्फीति (Deflation)** की स्थिति में चले गए।

थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Index: WPI) के बारे में

- **अर्थ:** WPI **थोक बाजार में कीमतों में बदलाव** का मापन करता है। थोक बाजार में **वस्तुओं का व्यापार बड़ी मात्रा (bulk)** में किया जाता है।
  - यह केवल **बुनियादी कीमतों (basic prices)** पर विचार करता है तथा इसमें **कर, छूट/ व्यापार बट्टे, परिवहन और अन्य शुल्क शामिल नहीं** किए जाते हैं।
- **जारीकर्ता:** इसे **आर्थिक सलाहकार कार्यालय** जारी करता है। यह कार्यालय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के **उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग** के अधीन आता है।
- **आधार वर्ष (Base year): 2011-12** है।

अपस्फीति के बारे में

- अपस्फीति किसी अर्थव्यवस्था में **वस्तुओं और सेवाओं के सामान्य मूल्य स्तर में एक निरंतर गिरावट** है। यह अनिवार्य रूप से **नकारात्मक मुद्रास्फीति (negative inflation)** है।

कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) ने **नई दिल्ली** में होने वाली **कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव (CSC)** की बैठक के लिए **बांग्लादेश** को आमंत्रित किया।

कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव (CSC) के बारे में

- **स्थापना:** यह **2020** में स्थापित एक **क्षेत्रीय सुरक्षा समूह** है।
- **उद्देश्य:** सदस्य देशों की साझी चिंता वाले **अंतर्राष्ट्रीय खतरों और चुनौतियों** को संबोधित करके क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देना।
- **सदस्य:** भारत, श्रीलंका, मॉरीशस, मालदीव, और हाल ही में शामिल हुआ **बांग्लादेश**।
  - **सेशेल्स** एक **पर्यवेक्षक राष्ट्र (observer nation)** है।
- **सहयोग के पांच स्तंभ:** समुद्री सुरक्षा; आतंकवाद से निपटना; अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध से लड़ना; साइबर सुरक्षा; तथा मानवीय सहायता।

खाड़ी सहयोग परिषद

खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) ने **सदस्य देशों के बीच आवागमन को सुव्यवस्थित** करने के लिए डिज़ाइन की गई एक **ऐतिहासिक वन-स्टॉप यात्रा प्रणाली** को मंजूरी दी।

खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) के बारे में

- **स्थापना:** GCC की स्थापना 1981 में की गई थी।
- **सदस्य:** GCC **खाड़ी क्षेत्र के 6 देशों का एक राजनीतिक और आर्थिक गठबंधन** है। इसमें शामिल देश हैं- **सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, ओमान तथा बहरीन।**
- **उद्देश्य:** सभी क्षेत्रों में सदस्य देशों के बीच **समन्वय, एकीकरण और अंतर्संबंध** स्थापित करना।

वन-स्टॉप यात्रा प्रणाली के बारे में

- यह यात्रियों को **प्रस्थान से पहले** एक ही चेकपॉइंट पर **सभी प्रक्रियाएं** पूरी करने में सक्षम बनाएगी। जैसे- **आव्रजन (immigration), सीमा शुल्क और सुरक्षा** संबंधी प्रक्रियाएं।

होर्मुज जलडमरूमध्य

ईरानी सुरक्षा बलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में **उच्च-सल्फर गैसोइल युक्त टैंकर** को रोका और इसे ईरानी जलक्षेत्र की ओर ले गए।

हॉर्मूज जलडमरूमध्य के बारे में

- होर्मुज जलडमरूमध्य **ईरान और मुसंदम प्रायद्वीप (ओमान)** के बीच स्थित एक संकरा जलमार्ग है।
  - **मुसंदम प्रायद्वीप** अरब प्रायद्वीप का **उत्तर-पूर्वी विस्तार** है।
- यह **फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर** से जोड़ता है।
- **रणनीतिक महत्त्व:** विश्व का लगभग 25% **तेल व्यापार** हॉर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

गरुड़ अभ्यास

गरुड़ अभ्यास **फ्रांस** में आयोजित किया जा रहा है।

गरुड़ अभ्यास के बारे में

- यह **भारतीय वायु सेना और फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष बल** के बीच एक द्विपक्षीय **वायु युद्धाभ्यास** है।
- 2025 का संस्करण **फ्रांस के मोंट-दे-मारसन एयरबेस** में आयोजित किया जा रहा है।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

ग्रीनलैंड (राजधानी: नुउक)

ग्रीनलैंड की संसद ने एक कानून अपनाया है, जो इस द्वीप पर **विदेशियों के संपत्ति के अधिकार को सीमित** करता है।

ग्रीनलैंड के बारे में

- **भौगोलिक अवस्थिति:**
  - यह **डेनमार्क साम्राज्य** का हिस्सा है, लेकिन इसे व्यापक **स्वायत्तता** प्राप्त है।
    - यह **यूरोपीय संघ** का सदस्य **नहीं** है।
  - **सीमावर्ती देश:** इसका **सबसे निकटतम पड़ोसी कनाडा का एलेस्मेरे द्वीप** है, जो इसके उत्तर में केवल 16 मील की दूरी पर है।
    - इसका निकटतम यूरोपीय देश **आइसलैंड** है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - यह **उत्तरी अटलांटिक महासागर** में स्थित **विश्व का सबसे बड़ा द्वीप** है।
  - **अंटार्कटिका** के बाद विश्व में सर्वाधिक **हिम चादर** ग्रीनलैंड में है।
  - यह **ध्रुवीय क्षेत्र (polar zone)** में स्थित है, जहां **सर्दियों** में तापमान -50°C तक गिर जाता है और **गर्मियों** में तापमान शायद ही कभी 10–15°C से **अधिक** होता है।
  - ग्रीनलैंड के निवासी **गर्मियों में 24 घंटे की धूप** का अनुभव करते हैं।